ईरान से रुपये के बजाय अन्य मुद्रा में होगा निर्यात

ईरान के खाते में भारतीय मुद्रा की कमी से बंद है निर्यात

नई दिल्ली। खाद्य मंत्रालय ने कहा है कि ईरान के साथ निर्यात को जल्द दोबारा शुरू किया जा सकता है। ईरान के खाते में भारतीय मुद्रा की कमी के कारण अभी निर्यात लगभग बंद है। दोनों देश इसे शुरू करने के लिए रुपये के बजाए अन्य मुद्रा में कारोबार पर सहमति बना रहे।

11

लाख टन चीनी मंगाई थी ईरान ने 2020 में भारत से

खाद्य सचिव सुधांशु पांडेय ने बताया कि भारत के यूको बैंक और आईडीबीआई बैंक में ईरान के एस्क्रो खाते हैं। इसमें ईरान को भारत की ओर से दिए गए रुपये एकत्र होते हैं और ईरान भारतीय उत्पादों का भुगतान करता है। पिछले कुछ महीनों से दोनों बैंकों में ईरान के खाते की भारतीय मुद्रा समाप्त हो चुकी है, जिससे निर्यातकों को समय पर भुगतान नहीं मिल पा रहा। इस कारण भारतीय निर्यातकों ने ईरान को चीनी, चायपत्ती और चावल का निर्यात रोक दिया है। सचिव के अनुसार, दोनों देश इस मसले को हल करने पर बातचीत कर रहे हैं और अन्य किसी मुद्रा में लेनदेन पर जल्द सहमति बन सकती है। ईरान ने पिछले साल भारत से 11 लाख टन चीनी का आयात किया था, जबकि चावल का भी सबसे बड़ा खरीदार है। एजेंसी

लगा था डॉलर में कारोबार पर प्रतिबंध

ईरान के साथ तनातनी के बीच अमेरिका ने किसी भी देश के साथ डॉलर में कारोबार पर प्रतिबंध लगा दिया था। साथ ही भारत को भी ईरान से कच्चा तेल नहीं खरीदने की बात कही थी। इसके बाद भारत का ईरान से तेल आयात लगभग बंद हो गया और ईरान के पास भी भारतीय मुद्रा की कमी होती गई। इस कारण ईरान भारतीय निर्यातकों को उत्पादों के बदले भुगतान नहीं कर पा रहा है।